नई दुनिया 14/6/2020

शिक्षा ● प्रदेश में कॉलेज विद्यार्थियों के जनरल प्रमोशन की गाइडलाइन जारी

पिछली परीक्षाओं के नतीजे व आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर जनरल प्रमोशन

भोपाल/इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मप्र सरकार की घोषणा और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों के तहत राज्य के उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष व स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों को जनरल प्रमोशन देने की गाइडलाइन जारी कर दी। गाइडलाइन के तहत विश्वविद्यालयों को परीक्षा परिणाम तैयार करने होंगे। इसी के मुताबिक रिजल्ट जारी किए जाएंगे। विद्यार्थियों को आंतरिक मूल्यांकन और पिछली परीक्षाओं के अंकों के आधार पर जनरल प्रमोशन दिया जाएगा। बता दें कि मप्र के करीब 11 लाख विद्यार्थियों को इस बार जनरल प्रमोशन दिया जाना है।

कोरोना संक्रमण के चलते इस बार विश्वविद्यालयों की परीक्षा नहीं हो पाई हैं। इसको देखते हुए सरकार ने जनरल प्रमोशन दिए जाने की घोषणा की थी। अब उच्च शिक्षा विभाग ने तय किया है कि स्नातक (यूजी) प्रथम, द्वितीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर (पीजी) द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को गत वर्ष के परीक्षा परिणाम तथा वर्तमान सत्र के आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर आगामी कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा।

देवी अहिल्या विवि लेगा 55 हजार विद्यार्थियों की परीक्षा: इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को स्नातक अंतिम वर्ष-स्नातकोत्तर अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा लेनी है। बीए, बीकॉम-बीएससी समेत अन्य स्नातक पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के 44 हजार और एमए, एमकॉम-एमएससी समेत स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के 11 हजार विद्यार्थी इसमें शामिल होंगे। शुक्रवार को इसके लिए कुलपति प्रो. रेणु जैन ने अधिकारियों की बैठक बुलाई है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी ने बताया कि गाइडलाइन पर अधिकारियों और बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्यों से चर्चा होगी। उसके बाद परीक्षा के संचालन को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की ओपन बुक प्रणाली से होगी परीक्षा

यूजी अंतिम वर्ष एवं पीजी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं विद्यार्थी अपने घर पर रहकर ओपन बुक प्रणाली से देंगे। सभी परीक्षाएं सितंबर में होंगी और रिजल्ट अक्टूबर में जारी किए जाएंगे। विभाग से आदेश मिलने के बाद प्रदेश के विश्वविद्यालयों ने अपने-अपने टाइम-टेबल तैयार करना शुरू कर दिए हैं। यूजी अंतिम वर्ष एवं पीजी चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थी अपने रजिस्टर से या ए-4 साइज के पेज की उत्तर पुस्तिका तैयार करेंगे। इसमें उन्हें अपना रोल नंबर, नामांकन, कॉलेज का नाम और पेपर की पेज की संख्या अपने हाथ से लिखेंगे। उत्तर लिखते समय सिर्फ नीले और काले पेन का उपयोग करेंगे। ओपन बुक परीक्षा में शामिल नहीं होने वाले विद्यार्थियों की नवंबर में विशेष परीक्षा आयोजित कराई जाएगी।

यह रहेगा मूल्यांकन आधार

- प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का रिजल्ट 100 प्रतिशत आंतरिक मूल्यांकन के आधार तैयार किया जाएगा।
- द्वितीय वर्ष व सेमेस्टर के विद्यार्थियों का रिजल्ट गत वर्ष के परिणाम का 50 प्रतिशत और वर्तमान वर्ष व सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर तैयार किया जाएगा।

सितंबर में इस तरह होगी परीक्षा

- परीक्षा में 5.71 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। सभी विवि लॉग-इन आइडी और निर्धारित वेबसाइट पर प्रश्न पत्र अपलोड करेंगे।
- कॉलेज अपने विद्यार्थियों के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और ईमेल आइडी पर कक्षा और विषयवार पेपर भेजेंगे।
- परीक्षार्थी अपने निवास पर ही रहकर उत्तर पुस्तिका लिखेंगे। विद्यार्थी को उत्तर पुस्तिका संग्रहण केंद्र में जमा करनी होगी।
- इसमें हायर सेकंडरी स्कूल, हाईस्कूल, निजी और सरकारी कॉलेज शामिल होंगे। विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका कॉलेज कार्यालय को डाक और ई-मेल द्वारा भी भेज सकेंगे।

छात्र के अकादमिक करियर में अंतिम वर्ष की परीक्षा अहम : यूजीसी

नई दिल्ली(एजेंसी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि विद्यार्थी के अकादमिक करियर में अंतिम वर्ष की परीक्षा अहम होती है। राज्य सरकार यह नहीं कह सकती कि कोरोना के मद्देनजर 30 सितंबर तक विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों से परीक्षा कराने को कहने वाले उसके छह जुलाई के निर्देश बाध्यकारी नहीं हैं। आयोग ने कहा कि यह दावा गलत है कि दिशा-निर्देशों के अनुसार अंतिम परीक्षा कराना संभव नहीं है।